

स्वस्थ र ताजा खाना, नास्ता, एटेच बाथरूमसँगै हल, फ्रि वाइफाईको व्यवस्थासहितको जय श्री लक्ष्मी गेष्ट हाउस एण्ड होटल १२ कात्तिक २०७७ देखि पुरानै ठाउँमा सरेको व्यहोरा समस्त ग्राहक महानुभावहरूमा सूचित गरिन्छ ।

प्रोप्राइटर : परशुराम चौधरी

जय श्री लक्ष्मी गेष्ट हाउस एण्ड होटल

लहान ७, मुख्य सडक, तुलिकन्द अतिथि सदनको नजिकै परिचमपट्टि  
फोन. ०३३५६१२१२ मो. ९८४२८४०६३२, ९८१४९०५५४

# लहानपोस्ट

LAHANPOST DAILY

वर्ष : ०१ अंक : १११ पृष्ठ : ४ २०७७ मंसिर ०६ गते शनिबार (Saturday 21 November 2020) www.lahanpost.com मूल्य रु. ५।-

FOLLOW US

facebook: lahanpost

YouTube : lahanpost

twitter : lahanpost

instagram : lahanpost

## पीडित महिला भन्छन् : कहिले पाउने न्याय ?

मणिलाल विश्वकर्मा

घटना : १

२९ असार २०६७ मा सामाजिक परम्परा अनुसार विवाह भएकी सिरहाको धनगढीमाई नगरपालिका-९ चैनपुर माइती भएकी २८ वर्षीया शोभाकुमारी साहकी छोरी ६ वर्षकी भईन् । सानैमा बाबु गुमाएकी उनको लालनपालन गर्न आमा लाले वैदे शिक रोजगारीको काम समेत गरिन् । आमा आफूहरूलाई हुर्काउन गरेको दुःख अनुसार बी.ए.मा पढ्दै गरेकी उनको छिमेकी गाउँ जिरोमाइलका पंकज कुमार साहसँग विवाह भयो । विवाह भएको डेढ वर्ष नबित्दै छोरी जन्मिएपछि पंकज शोभाकी सानीमाकी छोरीलाई लिएर भागेपछि न विवाह दर्ता बन्न सकेको छ, न नागरिकता । विवाह दर्ता र नागरिकता नै नहुँदा छोरीको जन्मदर्ता समेत नबनेपछि विद्यालय भर्ना गर्न पनि समस्या भएको उनको गुनासो छ । सिरहा जिल्ला अदालतले



जिताएको माना चामल मुद्दा, सम्बन्ध बिच्छेदको मुद्दामा पनि अल्मल्याएर सहीछाप गराएपछि आफू घरको न घाटको भएको उनको गुनासो छ ।

घटना : २

सिरहाको मिर्चैया नगरपालिका-४ की वडा सदस्य समेत रहेकी चन्दा भवानी महाराले गाउँको सामुदायिक विद्यालयको व्यवस्थापन समितिमा चयन हुँदा 'दलित' भन्दै आफू विरुद्ध विद्यालयमा तालाबन्दी समेत गरिएको बताइन् । '१ फागुन २०७६ स्थानीय अभिभावकहरूले गठन गरेको व्यवस्थापन समितिले २१ असार २०७७ मा आफूलाई

सदस्यमा मनोनयन गरी २८ असारमा अध्यक्ष चयन गरेपछि विद्यालयमा तालाबन्दी गरी रजिष्टर समेत गायब गरियो' उनले भनिन् 'जातीय कारणले अध्यक्ष अस्वीकार गरेको सार्वजनिक भएपछि २१ साउनमा स्थानीय प्रशासनको निर्देशनमा ताला त खोलियो तापनि दलित अध्यक्ष भन्दै खिसिट्युरी गर्छन् ।'

जिल्लाका विभिन्न ठाउँमा भएका महिला हिंसा, जातीय छुवाछूतका घटनामा पीडित महिलाहरू जसले न्याय पाउन अनेकौं हण्डर कष्ट खेप्नु परिरहेको छ । न्यायका लागि भौतारिरहेका पीडित महिलाहरू

भन्छन् 'मैले न्याय कहिले पाउने ?' हिंसा प्रभावित महिलाहरू भन्छन् 'आफ्नै पतिबाट हेपियो, पिटियो तर न्याय पाएनौं ।'

सिरहाका प्रमुख जिल्ला अधिकारी प्रदिपराज कणेल भन्छन् 'पीडित स्वयम् सचेत नभएसम्म न्याय प्राप्ति र

सामाजिक रूपान्तरण हुँदैन । प्रजिअ कणेलले भने 'न्यायमा पहुँचका लागि महिला, पुरुष, दलित गैरदलित भन्ने हुँदैन, सम्बन्धित व्यक्तिले भय त्रास हटाएर अगाडि बढे न्याय पाउन सजिलो हुन्छ ।'

बाँकी ३ पेजमा

## दुरुत्साहनमा कारबाही नहुनु चिन्ताको विषय

सिरहा प्रहरीका अनुसार आ.व.२०७६/०७७ को साउनदेखि असार मसान्तसम्म ६७ खालका विभिन्न अपराध सम्बन्धी १ हजार १ सय ३२ वटा मुद्दा दर्ता भएका छन् । त्यसअवधिमा कथित बोक्सीको आरोपमा पाँच, बाल विवाह तीन, बालबालिका विरुद्ध कसुर सम्बन्धी एउटा अपराध भएको प्रहरीको तथ्यांक छ । त्यस्तै, कोरोना महामारीको लकडाउन अवधिमा जिल्लाका विभिन्न ठाउँमा १० वटा बलात्कार, पाँच वटा बलात्कार

प्रयास, बहुविवाह दुई, बालविवाह दुई, बोक्सी आरोपमा दुई, ३२ वटा घरेलु हिंसा तथा २८ वटा आत्महत्याको घटना भएको छ ।

आत्महत्याको घटनामा बहुसंख्यक महिला तथा बालबालिका परेका छन् तर आत्महत्या गर्न बाध्य गर्ने अर्थात् दुरुत्साहनमा संलग्न व्यक्ति विरुद्ध कारबाही नहुनु चिन्ताको विषय रहेको महिला अधिकारकर्मी श्यामकुमारी साह बताउँछिन् ।

## पाँच करोडभन्दा बढीको कारोबार

कोरोना कहरका बीचपनि तराईमा विशेष महत्वका साथ मनाइने छठ पर्वमा चढाइने पुजा सामग्रीको सिरहामा पाँच करोड रूपैया भन्दा बढीको कारोबार भएको छ ।

छठ पर्वमा पूजा सामग्री र प्रसादको रूपमा प्रयोग हुने उखु, केरा, नरिवल लगायतका विभिन्न फलफूल सामग्री, बास, माटोद्वारा निर्मित सामग्री र विधुतीय सामग्रीमा पाँच करोड रूपैया भन्दा बढीको कारोबार भएको व्यापारीको भनाइ छ ।

व्यापारीहरूका अनुसार छठ पर्वको बेला सबैभन्दा बढी कारोबार केरा, उखु, नरिवल लगायतका फलफूल, बासद्वारा निर्मित नाङ्गो, ढकी, चगेरीको कारोबार बढी रह्यो । त्यसैगरी, माटोबाट निर्मित पाला, हाति, घैला लगायत सामग्री र महिलाले लगाउने वस्त्र, गरगहनाको समेत राम्रो कारोबार भयो ।

लहान बजारमा बासको नांगलो, ढकी लगायतका सामग्रीको बाँकी ३ पेजमा

## छठ पर्व : अस्ताउँदो सूर्यको पूजा गरियो



लहान । छठ पर्वमा शुक्रबार अस्ताउँदो सूर्यको पूजा गरिएको छ । शुद्धता, सद्भाव र आस्थाको पर्व छठ शुक्रबार श्रद्धा एवं हर्षोल्लासपूर्वक मनाइएको छ । आराध्यदेव सूर्यको आराधना गरी मनाइने यस पर्वमा बर्तालुहरूले साँझपख कुण्ड, पोखरी र तलाउमा उभिई

दुवै हत्केलामा पिठार र सिन्दुर लगाएर अक्षता, फूल हालेर खेतबारीमा भएका पुजा सामग्री र घरमा बनाइएको विशेष पकवान अस्ताउँदो सूर्यलाई अर्घ दिई पूजापाठ गरेका छन् । तराई लगायत देशभर छठ पर्व धुमधामसँग मनाउने गरिन्छ । चारदिनसम्म मनाउने

चलन रहेको छठको तेस्रो दिन अस्ताउँदो सूर्यलाई पूजाआजा साथै अर्घ दिने प्रचलन अनुसार शुक्रबार साँझ सूर्यको पूजा साथै अर्घ दिइएको छ । सन्तान प्राप्ति, निरोगिता, सुख, समृद्धि र चर्मरोग निको हुने जनविश्वास अनुस्र्म पारस्परिक आत्मियता बाँकी ३ पेजमा

शिटो भनेकै  
WORLDLINK

3C 25 Mbps Rs. 1,250\*  
6C Rs. 2,700 Rs. 2,200\*

SPEEDMA BOOST  
नगदमा धुद

Enjoy 100+ HD Channels & 150+ SD Channels FREE with WorldLink

Lahan office: 033-561429, 033-561430 | Mirchajya: 033550505, | Golbazar: 9801186055, | Kalyanpur: 031-540229



## फ्रेंड्स मोडल हस्पिटल, लहान ४

(शिव मन्दिरको उत्तरपट्टि रघुनाथपुर)

हाम्रो सेवाहरू

NICU सहितको प्रसुति सेवा  
२४ औं घण्टा इमरजेन्सी सेवा

बालरोग विशेषज्ञ  
मधुमेह, प्रेसर  
प्रसुति रोग विशेषज्ञ

डा. वृजेन्द्र यादव  
डा. ल्युस्युन यादव  
डा. विरेन्द्र यादव

# चौबटिया

## किछु पाई जमा कऽ लैलौं

रामप्रसाद साह

कनिक पाछुओ देखू  
मेटाएल जाइए  
पदक चिन्ह  
अपने बुभलौं जे  
आब त' पहुँचिए गेलौं  
ठामपर  
अहाँ कि बुभलौं ?  
हम पढि लेलौं  
महापण्डित भऽ गेलौं  
पलटि कऽ देखू  
अङ्ग्रेजियत जरुरे पहुँचादेत  
चन्द्रमादिसि  
माने छुट गेलै असलियत  
छुटि गेलै पुर्खाक जमीन  
संस्कार-संस्कृति,

ओ पहुँचलै चन्द्रमादिसि माने  
आपन जमीन नहि विसरल  
माने हमरा लोकनि दू अक्षर  
पढि कऽ दुःख देलौं सन्तनकें  
बुभलै छी पहुँचि गेलौं  
हम त कहब अहाँसँ  
जतऽ अहाँक पहुँचऽ के चाही  
हँ ! किछु पाई जमा कऽ लेलौं  
भाषा-संस्कृतिक लिलामी कऽकऽ

पाथर बल छै अहाँक देवता  
ने बाजन  
ने सुनब  
समानान्तरक बात कहैछी  
विश्वामित्रजकाँ  
नहि  
किछु छोटे लकीर खिचलक  
कनि बराबरे खिचैत  
बडका खिचबाक मोन नहि नै मानलक  
सोचबाक चाहीं  
सेहो नैहि भेल

मिथिलाक भूलाक खोरनाठी  
अखन निभुआएल नहि अछि  
अखनो धुँवाएले अछि  
तेहने कबीरदासक  
निरकारी धुनीक  
भुम्हुरमे आलु पाकिरहल अछि  
धीयापूता चोखा बनतै  
कर्तासँ सुखल मिर्चाई  
माँगक लोबधित  
चटगर भऽ जतै ।

...

# सलहेसक कालजयिता

लोक-गाथाक महानायक सलहेसक स्थान लोक-साहित्यमे महत्तम ऊँचाइपर अछि । ओ अपन व्यक्तित्व ओ कृतित्वबलँ दुसाध जातिक कुलदेवताक रूपमे तँ सहजहिँ आन जाति ओ वर्गमे सेहो समादृत ओ लोकपूज्यक रूपमे प्रतिष्ठित छथि । हिनक नामक स्मरणमात्रेसँ श्रद्धास्वरूप लोकक माथ अनायासे भूकियाइत अछि । हिनक गुण गौरवगाथासँ मण्डित अछि आ जनकल्याणक भाव हिनक विराटबोधकें दिग्दर्शित करैत अछि । हिनक अद्भुत कला-कौशल आ संघर्षरत जीवन लोककें अवश्य पथ-प्रदर्शित करैत अछि ।

राजा सलहेसक कालक सम्बन्धमे विचार-विमर्श करी तँ विभिन्न विद्वानलोकनि विभिन्न कालखण्डमे होएबाक बात उठबैत छथि । जेकि हिनक कालक सम्बन्धमे कोनो ठोस आ सङ्गत प्रमाण नहि अछि तएँ सत्य बुझि लेबऽबला बात अवश्य दिकसन बुझाइत अछि । एहि गाथामे जे कालक्रमे उच्चरित भाषा अछि ताहिमे कतिपय एहन शब्द मिष्कर भऽ आएल अछि जे निःसन्देह कालक्रमक निर्धारणमे बाधा उत्पन्न करैत अछि । बहुतो शब्द एहन अछि जे मैथिली भाषासँ इतर स्वभाव नेने अछि । ईहो कहिसकैत छी जे विदेशी शब्दसबहक समावेशऽ आएल अछि । ओना एहि शब्दसबहक प्रयोग अवश्य भाषामे गत्यात्मकता आ स्वाभाविकता नेने अबैत अछि यथा हुकुम, मोसाफिर, कमसीन, हाजिर आदि । ई सबटा नवीन परिपाटीक शब्द थिक । जँकि सलहेसकालक सम्बन्धमे अनुमान कएल जाइत अछि तएँ सत्य मानि लेब कने कठिनाइसन बुझाइत अछि । शिल्पगत ओ भाषागत प्रवाहमे संकेत ओ ध्वनि जे उभरैत अछि से कालक्रमे शब्दसन्धानमे भेल परिवर्तनक द्योतक थिक । तथापि जँ ओहि गाथा-कालक समय, स्थिति, परिवेश आदिकें देखी-परेखी तँ निश्चिते ई गाथा पाँचम-छठम शदीक उपरान्त सातम शताब्दीक थिक ।

एहि गाथाक भाषाक स्वाभाविकता अछि जे लोक-कण्ठमे वास कऽ

लेने अछि । एहिमे लोकवाणीक प्रभाव अपन चमत्कार उत्पन्न करैत अछि । भाषा गाथाक विकासमे समतूल भौंज पुरैत अछि । जहिना सहजता, सरलता आ पारदर्शिता अछि तहिना संवेदनात्मक दूरदर्शिता एहि गाथाक सौन्दर्य थिक । कथानक जेना-जेना आगाँ बढ़ैत अछि तेना-तेना उत्सुकता चरमविन्दूपर पहुँचैत अछि । लोकभाषाक प्रयोग अवश्य एहि गाथाक प्राण थिक तँ मिश्रित भाषा जे मिष्कर भऽ कऽ आएल अछि सेहो नव चमक अनैत अछि ।

समय आ समाजकें सत्यताकसँग उरैहैत ई गाथा कालगत स्थितिकें उधेसैत अछि । परिवेशक चित्रणमे अवश्य डेराओन चित्र उपस्थापित भेल अछि । भारत आ नेपालक सन्धि-स्थलपर तदयुगीन लोकजीवन आ संस्कृतिकें युगीन परिवेशमे जगजियार करैत अछि । यथार्थक तिवखपनामे रोमानीपनक गन्ध सुरभित करैत अछि ।

ई गाथा गाम-घरमे चौकीतोड नाचक रूपमे विदित अछि । जँ आइयो कतहु सलहेसक नाच होइ तँ लोकक धरोहि लागिजाइत अछि । एतेक दूरधरि जे लोक खेनाइ-मीनाइक सुधि-बुधि बिसरि होइ एहि नाचकें देअबाक लेल सीधा-सम्मर बान्हि कऽ जुमि अबैत अछि । एखनो मञ्चक अभावमे चौकीपर नाच होइत अछि । प्रायः जतेक दर्शक साँभसँ पहर दिन उठैतधरि एहि नाचकें देखैत अछि ततेक आन कोनो नाच वा नाटकककें नहि । सभ बर्ग ओ वर्णक लोक टकटकिये नजरि एहि नाचकें देखैत-सुनैत अछि । संवादमे गेयता धर्म सन्निहित अछि । ई नाचबिनु ताम-भामकें कतहु प्रदर्शित कएल जा सकैत अछि । बिनुमञ्च विशेषकें वा कही तँ एको-दू पर्दा परपर ई नाच वा बिनपर्दाकें देखाओल जाइत अछि । अठारह-बीस लोकक एकटा दल रहैत अछि । ओना लोक कमीकें देखैत दस-बारह लोकधरि मजासँ एकर मञ्चन कऽ सकैत अछि साज-बाज तँ श्रृङ्गार थिक । ओरनी एकर प्रमुख बाद्य थिक । ओना ढोलक, भालि, हरमुनियाँ आदि साज-बाज थिक । ई एक

सप्ताहधरि मञ्चित होइत अछि । ओना चारि दिनमे सेहो देखाओल जा सकैत अछि । अभिनयकर्ता उत्साहमे आबि एहि नाचक लोकप्रियता ओ दर्शकक उत्साहकें देखैत दुइयो-अढाइ दिनमे देखा दैत अछि । एखनो ई देखल जाइत अछि जे कतहु सलहेसक नाच होइ, बिनुप्रचारे दर्शकक भरमार लागि जाइत अछि । ई बुझाइत अछि जे एहि नाचकें देखबाक लेल लोक कान पथने होए । मुक्ताकाशक ई नाच बेर-बेर लोक देखियो कऽ नहि अघाइत अछि ।

नामसँ स्पष्ट अछि जे 'शैलश' शब्दक बदलैत रूप सलहेस थिक । शैलेश शब्दक साधारण अर्थ होइत अछि पर्वतक राजा । नामे सिद्ध करैत अछि जे जङ्गल आ पहाडक दूर्घर्ष योद्धा अपन साहस, धैर्य, निडरता ओ चातुर्यक बल-बुत्तापर जे कला-कौशल प्रस्तुत कएल से हिनका मनुक्खसँ लोकदेवताक रूपमे आसीन कएल । स्वाभाविक थिक जे व्यक्ति अपन सुख-स्वर्थकें छोडिकऽ अनके लेल जीवैत अछि सएह पूजित होइत छथि । तएँ तँ लोकोपरकारक प्रबल भावना लऽ सलहेस लोकदेवताक रूपमे सभक हृदयमे आसीन छथि ।

गाम-गामे कोनो वर वा पीपरक गाछतर सलहेसक थान अपन अस्तित्व बनौने अछि । दन्तार हाथीपर सवार राजा सलहेस आ अगल-बगल दुनू कातमे घोडापर सवार मोतीराम आ चुहडमल तदुपरान्त मालिनसभ । रीति-रिवाजक अनुरूप संस्कृति ओ परम्पराकें अक्षुण्ण रखैत ब्रह्मा, राहु, कमला, राजाजी, मोतीराम, मरैया आदिक पूजा छप्पनो प्रकारसँ होइत अछि । यथा-कोखिया गोहारि, बर-बेमारीक गोहारिसँ लऽ कऽ विभिन्न प्रकारक त्राण पएबाक गोहारि होइत अछि । आइयो जखन कोनो निर्जन स्थान वा पाँतर वा नेपालक वन-प्रान्तमे जखन लोक अपन सुरक्षामे असमर्थताबोधक भान करैत अछि तँ सलहेसकें गोहरबैत अछि । ई श्रद्धा आ विश्वास भाव ओहि निर्जन प्रान्तमे ओहि भूलल-भटकल पथिककें अन्हराएल बाटसँ मुक्ति दिआबैत अछि आ सुरक्षाबोधक भाव जगबैत अछि । सलहेसक स्मरण

करिते सुरक्षा-भाव जगैत अछि तएँ मानवीय आस्था ओ विश्वासक रूपमे लोक-देवता सलहेस आइधरि पूजित ओ प्रतिष्ठित छथि आ लोक निष्ठापूर्वक हिनक पूजा-भाव करैत अछि ।

एहि सलहेस गाथाक चारि भाग अछि जे किल्लाक रूपमे प्रसिद्ध अछि - महिसौथा किल्ला, बाघगढ किल्ला, योगिन किल्ला आ पकडिया किल्ला । सलहेसक जन्मसँ लऽ कऽ मालिन सम्प्रदायक कुसुमा आ चन्द्राक प्रेम प्रसङ्ग, चूहडमलक बध आदिमे एहि गाथाकें समट-बटोरल गेल अछि । मोतीराम, दौना, चोरेश्वर कुँवर, अरिवण्ड-वरिवण्ड, अन्हार माठ, कुमार बुद्धेश्वर, सत्यवती, वनसप्ती आदिकें लऽ कऽ एहि लोकगाथाक तानी-भरनी बुनल गेल अछि । नरभक्षी बाघ आ बचबा धामिन प्रसङ्गसँ कतिपय उपकथासभ अछि । कहलगेल अछि । कहलगेल अछि जे मोरंग राजाक चौदह कोसक फूलबाडी सुखा गेलैक । बचबा धामिनक डरें खड-पात जरैक । मोरंगक बचिया धामिनक ई प्रभाव जे राजाकें दिनमे भेडा आ रातिमे मनुक्ख बना दैक । सलहेसक मोरंग जाइते फुलवाडी सुखा गेलैक । मोरंगमे राजाजी नौटा रूप धएलनि । अलोपित भऽ जेबाक गुन प्रधान छल । देव-मुनिकें मोरंगमे बनिसारसँ छोडौलनि तएँ हिनक खास मान्यता भऽ गेलनि । कहलगेल अछि जे सलहेस त्रियागमन नहि कएलनि जखन कि हिनकापर मोहित नारी पात्रसभ सेहो विलक्षण प्रतिभासम्पन्न आ प्रत्युत्पन्नमति छथि । एकसँ बढि कऽ एक । तरेगनाक गडेश्वर राजा महेश्वर भण्डारीक मालिन बेटीसभ अपन चातुर्य, बुद्धि आ साहसक बुतापर किरातेश्वर सन प्रतापी आ बलशालीकें छक्का छोडबैत रहलीह । एतेक दूरधरि जे कहियो किरातसभकें पहाडसँ नीचाँ नहि उतरऽ देलनि । एहि गाथामे तरेगाना गडेश्वर राजा महेश्वर भण्डारीक चारि गोट बेटीक बात कहल गेल अछि तँ कतहु-कतहु सात

बाँकी ४ पेजमा

**मेष :-** एकपछि अर्को अवसर आउनाले मन प्रसन्न रहनेछ । नयाँ व्यक्तिसंग भेटघाट होला । साँभपख शुभ समाचार आउन सकछ । भूमिबाट लाभपनि रहनेछ ।  
**वृष :-** यात्रामा मालसामान हराउन सकछ । सहकर्मीबाट विरोध आउला । गलत निर्णय लिन पुगिएला । चोटपटकको भयपनि छ अतः सचेत रहनु राम्रो होला ।

**मिथुन :-** रमणीय र सुखद यात्राको योग छ । पार्टी तथा सेमिनारमा सहभागी भईएला । प्रयत्न गरे बढी फाइदा लिन सकिनेछ । पुनर्मिलनको योग रहेको छ ।  
**कर्कट :-** परिश्रम गर्दा धनार्जन हुनेछ । ठीक समयमा सही निर्णय लिन सकिनेछ । वैदेशिक कार्य अघी बढ्नेछ । शेरको कारोवारबाट सफलता मिल्नेछ ।

**सिंह :-** साथीभाईसंग समय बित्नेछ । व्यवसायको सन्दर्भमा आदर्श व्यक्तित्व सँगको सहकार्यले अनुभव मिल्नेछ । लगनशीलताले कामहरू अगाडी बढ्नेछन् ।  
**कन्या :-** आफ्नो क्षेत्रमा प्रभुत्व जमाउन सकिनेछ । बित्तिय संस्थाबाट सहयोग पाईनेछ । धनार्जनका नयाँ स्रोतहरू पत्ता

**आजको राशिफल** लाग्ने छन् । शत्रुपनि पराजित हुनेछन् ।  
**वृश्चिक :-** नसोचेको ठाउँबाट धनागम हुनेछ । मनोरञ्जनमा सहभागीता भईएला । बिनाप्रतिस्पर्धा फाइदा हुने योग छ । आर्थिक कारोवारमा सफलता पाइएला ।  
**धनु :-** मनमा शान्ति र

अनुहारमा कान्ति छाउनेछ । महत्वपूर्ण कामको थालनी हुनेछ । शिक्षामा सफलता मिल्नेछ । डेकोरेसनको लगानिबाट लाभ मिल्नेछ ।  
**मकर :-** मनमा दुविधा उत्पन्न हुनेछ । अधिकार प्राप्तिमा लागि संघर्ष गर्नु पर्ला । दबाव र तनाव बढेको महसुस हुनेछ । स्वास्थ्यमा समस्यापनि आउनेछ ।

**कुम्भ :-** प्रेमसम्बन्ध र प्रणयप्रसङ्गका लागि श्रेष्ठ समय रहेकोछ । आफ्नो क्षेत्रमा प्रभुत्व जमाउन सकिनेछ । धर्म, कर्म तथा समाजसेवामा मन लाग्नेछ ।  
**मिथुन :-** आज अधुरा कार्य पूरा हुने र राम्रिलो यात्राको योग रहेको छ । शत्रुमाथि विजय मिल्ने समयछ । अधुरो काम पूरा हुने र परोपकारमा रुचि बढ्नेछ ।

## क्रियाशील सदस्यता विवरण पठाउन जिल्ला सभापतिलाई निर्देशन

नेपाली कांग्रेसले पार्टीको आगामी १४औं महाधिवेशनको तयारीका लागि नयाँ क्रियाशील सदस्यता वितरण र नवीकरणको विवरण यही मङ्सिरभित्रै केन्द्रमा पठाउन जिल्ला सभापतिलाई निर्देशन दिएको छ ।

कांग्रेसको गत कात्तिक २८ गतेको केन्द्रीय कार्यसमितिको बैठकले गरेको निर्णयानुसार क्रियाशील सदस्यता वितरण र नवीकरणसम्बन्धी विवरण केन्द्रमा पठाउन सबै जिल्ला सभापतिलाई मङ्सिर २ गते निर्देशन गरिएको पार्टी मुख्य सचिव कृष्णप्रसाद

पौडेलले जानकारी दिए । जिल्ला कार्यसमितिले केन्द्रको परिपत्रको सबै प्रक्रिया पूरा गरेर नामावली सूची प्रकाशन गरी विधानबमोजिम आवश्यक कागजात र तोकिएअनुसारको शुल्कसहित मङ्सिरभित्र अनिवार्यरूपमा केन्द्रमा पठाउनुपर्नेछ ।

कांग्रेस मुख्य सचिव पौडेलका अनुसार गत फागुन १३ र साउन २२ गते केन्द्रबाट जारी गरिएको क्रियाशील सदस्यता वितरणसम्बन्धी परिपत्रअनुसारको प्रक्रिया पूरा

नगरी वितरण गरिएका र केन्द्रमा पठाइएका क्रियाशील सदस्यताको नामावली (नयाँ र नवीकरण) स्वीकृत नहुने भएको छ ।

कांग्रेसको नेतृत्व चयनमा महत्वपूर्ण भूमिका रहने क्रियाशील सदस्यता सत्या हाल करिब पाँच लाख छ । कांग्रेस केन्द्रीय समितिको निर्णयानुसार क्रियाशील सदस्यता वितरण र नवीकरण तथा अन्य पार्टीबाट प्रवेश गरेकालाई समेत प्रदान गर्दा सो सत्या दोब्बर हुने पार्टी कार्यालयले जनाएको छ ।

कांग्रेसले पार्टीको १४औं महाधिवेशन आगामी फागुन ७ देखि १० गतेसम्म निर्धारण गरी सोहीअनुसार कार्यतालिका सार्वजनिक गरिसकेको छ । कांग्रेसको १३औं महाधिवेशन २०७२ साल फागुन २० देखि २३ गतेसम्ममा काठमाडौंमा भएको थियो । कांग्रेसका सबै तहका पदाधिकारी तथा सदस्यको पदावधि चार वर्ष हुने विधानमा उल्लेख भए पनि विधानकै अर्को व्यवस्थानुसार एक वर्ष समयावधि यसअघि नै थप गरिसकिएको छ । रासस

## स्थानीय तहमा ३५६ आधारभूत अस्पताल निर्माण हुने पक्का, अर्थ मन्त्रालयले जुटायो स्रोत

अर्थ मन्त्रालयले स्थानीय तहमा ३९६ वटा आधारभूत अस्पताल निर्माणका लागि स्रोत सुनिश्चित गरेको छ । अर्थमन्त्री विष्णुप्रसाद पौडेलले सो कार्यका लागि ५७ अर्ब ९७ करोड ११ लाख ९० हजार रुपैयाँबराबरको निर्माण कार्य अगाडि बढाउने गरी स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयलाई सहमति दिएका हुन् । अर्थ मन्त्रालयका प्रवक्ता

रामेश्वर दंगालले ५, १० र १५ शैयाका आधारभूत अस्पताल दुई वर्षभित्र निर्माण सम्पन्न गर्ने गरी बहुवर्षीय ठेक्का प्रक्रिया अघि बढाउन अर्थ मन्त्रालयले सहमति दिने निर्णय गरेको जानकारी दिए ।

यसरी कायम हुने रकम स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालयको वार्षिक बजेटमा समावेश गरी स्थानीय तहमा

ससर्त अनुदानका रूपमा उपलब्ध गराइनेछ । अर्थ मन्त्रालयले स्थानीय तहमा आधारभूत अस्पताल निर्माणका लागि यसअघि ६ अर्ब १२ करोड २६ लाख रुपैयाँ स्थानीय तहमा पठाइसकेको छ ।

अर्थमन्त्री विष्णुप्रसाद पौडेल र स्वास्थ्य तथा जनसंख्यामन्त्री भानुभक्त ढकालको उपस्थितिमा एक महिनाअघि भएको बैठकले

गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा नागरिकको पहुँच सुनिश्चित गर्ने कार्यक्रमअनुसार यही मंसिर १५ गते भवन निर्माणको शिलान्यास गर्ने निर्णय गरेको थियो ।

चालू आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रममा सबै स्थानीय तहमा पाँचदेखि १५ शय्यासम्मका आधारभूत अस्पताल स्थापना गर्ने उल्लेख गरिएको छ ।

## पिडित ...

सामाजिक सुरक्षासँग जोडिएको व्यक्तिगत घटना दर्ता, नागरिकताका लागि प्रायः हिंसामा परेका महिलालाई अप्ट्यारो पर्ने गुनासो बढिरहेको चर्चा गर्दै उनले त्यसका लागि खुला सीमा, जन्मको आधार, सेवा प्रदायकको मानसिकता र सेवाग्राहीको गलत बुझाइ कारक रहेको उल्लेख गरे । 'स्थानीय तहहरूले आफ्नो क्षेत्रका नागरिकको लगत राखेर त्यसको आधारमा सिफारिस पठाए नागरिकता बनाउन समस्या छैन उनले भने 'सनाखत बसिदिन पति तयार नभए सासु ससुरा, जेठाजु, देवर जसले बसिदिदा पनि हुन्छ ।'

लहान नगरपालिकाका उपप्रमुख तथा न्यायिक समितिकी संयोजक सरियारकुमारी चौधरीले कोरोना महामारीको समयमा समितिले

प्रकृयागत रूपले काम गर्न नसकेको भएपनि मौखिक उजुरीको आधारमा समेत कतिपय पीडितहरूलाई सहयोग गरेको बताइन् । लकडाउनको समयमा पनि घरेलु महिला हिंसाका उजुरीहरू आएको चर्चा गर्दै उपप्रमुख चौधरीले हरेक वडामा कृयाशील मेलमिलापकर्तामार्फत मिलापत्र गराएको उल्लेख गरिन् । हिंसा पीडित महिलाको विवाह दर्ता, नागरिकता, छोराछोरीको जन्मदर्ता सम्बन्धी उजुरी पनि आए उनले भनिन् 'समितिले धरौटी माग गरी पीडितको विवाह दर्ता, नागरिकता बनाएका छौं ।'

जिल्ला प्रहरी कार्यालय सिरहाका प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक उमाशंकर पंजियारले महिला सम्बन्धी घटनामा शून्य सहनशीलताको आधारमा प्रहरीले काम गरिरहेको दाबी गर्दै कहिलेकाहीं पारिवारिक,

सामाजिक कारणले पीडित आफैँ पछाडि हटिदिदा प्रहरीलाई पनि काम गर्न गाह्रो पर्ने बताए । 'त्यस्तो अवस्थामा पनि प्रहरीले पीडितलाई काउन्सेलिङ गरेर मुद्दाको प्रकृया अगाडि बढाएको छ' प्रहरी उपरीक्षक पंजियारले भने 'लैंगिक विभेदको घटनामा प्रायः महिला नै संलग्न रहने गरेको पाइएकाले सचेतनाका कार्यक्रममा महिलालाई जोड्नु पर्छ ।'

## छठ ...

र सद्भावको प्रतीकका रूपमा यो पर्व मनाइन्छ । यो पर्वमा धनी, गरिब, उच्चनिचको भेदभावलाई छोडेर सबै वर्ग, समुदाय एउटै सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमा पूजाअर्चनाका लागि उभिने गरेको पाइन्छ । यो वर्षको छठ पर्व भने कोरोनाका कारण प्रभावित जस्तै भएको देख्न सकिन्छ । यस वर्षको छठ पर्व

आज शनिबार बिहान उदाउँदो सूर्यलाई अर्घ दिएपछि विधिवत रूपमा सम्पन्न हुनेछ ।

## पाँच ...

कारोबार गर्दै आएका लहान-१० का अशोक विसुन्केका अनुसार छैठ पर्वमा मात्र यस पटक लहान बजारमा दुई लाख भन्दा बढीको नांगलो, ढकीको कारोबार भएको हुनसक्ने बताए । यसपटक नांगलो, ढकी एक थानको दुई सय ५० देखि चार सय रुपैयाँसम्ममा बिक्री भएको उनले सुनाए । यसअघि एक थान नांगलो अधिकतम २ सय ५० रुपैयाँसम्ममा बिक्री हुनेगरेको थियो ।

त्यसैगरी २० लाख रुपैयाँ भन्दा बढीको केराको कारोबार भएको छ । ब्रतालुहरूका अनुसार वस्त्र, गरगहना, फलफूल लगायत पूजा सामग्रीमा आयस्तरको आधारमा एक परिवारमा न्युनतम दुई हजार रुपैयाँदेखि २० हजार रुपैयाँसम्म खर्च हुन्छ ।



**२०७७ को पावन अवसरमा पत्रकार संचारकर्मी, व्यापारी, स्वदेश र विदेशमा बस्नुभएका दाजु भाई दिदी बहिनी, कर्मचारी, विद्यार्थी वर्ग लगायत समस्त शुभचिन्तकहरूमा सुख, शान्ति र समृद्धिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।**

**लहानपोस्ट दैनिक परिवार**  
लहान-१०, ग्रामीण चौक

## महत्वपूर्ण टेलिफोन नम्बरहरू

वारुण यन्त्र, लहान	०३३-५६०११५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, लहान	०३३-५६०१५५
ईलाका प्रशासन कार्यालय, लहान	०३३-५६०२६६
जि.ट्राफिक कार्यालय, लहान	०३३-५६०७३७
लहान नगरपालिकाको कार्यालय	०३३-५६०१३८
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, लहान	०३३-५६०२४६
सव स्टेशन, लहान	०३३-५६०४००
नेपाल टेलिकम, लहान	०३३-५६०४४४
प्राविधिक शिक्षालय, लहान	०३३-५६००१६
अञ्चल यातायात कार्यालय, लहान	०३३-५६०२१७
रा.उ.स्मारक अस्पताल, लहान	०३३-५६००१५
आ. राजस्व कार्यालय, लहान	०३३-५६००२८
कृषि विकास बैंक, लहान	०३३-५६०१४७
कृषि सामाग्री संस्थान, लहान	०३३-५६०१४८
घरेलु तथा साना उद्योग, लहान	०३३-५६०१२८
दु.शा.अतिथि सदन, लहान	०३३-५६०१६५
आँखा अस्पताल, लहान	०३३-५६००८०
जे.एस.मु.ब.क्याम्पस, लहान	०३३-५६०२५२
रक्त संचार केन्द्र, लहान	०३३-५६०५७५
मारवाडी सेवा सदन, लहान	०३३-५६१४११
एम्बुलेन्स (रेडक्रस), सिरहा	०३३-५२०१२३
जि.प्रशासन कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०१२३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय, सिरहा	०३३-५२०११२
नगर प्रहरी, सिरहा	०३३-५२०२६७
प्रहरी चौकी, माडर (सिरहा)	०३३-५२०४००
को.ले.नि.का. सिरहा	०३३-५२०१३०
कृषि विकास बैंक, सिरहा	०३३-५२०४७०
जिल्ला समन्वय विकास कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००३७
सिरहा जिल्ला अदालत, सिरहा	०३३-५२००५६
जिल्ला अस्पताल, सिरहा	०३३-५२००६४
जनस्वास्थ्य कार्यालय, सिरहा	०३३-५२००८१
जिल्ला शिक्षा समन्वय इकाई शाखा, सिरहा	०३३-५२०००४
नेपाल टेलिकम, सिरहा	०३३-५२००३३
नेपाल विद्युत प्राधिकरण, सिरहा	०३३-५२०१६१
राष्ट्रिय बाणिज्य बैंक, सिरहा	०३३-५२०००२
रेडक्रस सोसाइटी, सिरहा	०३३-५२००५५
ईलाका प्रहरी कार्यालय, मिर्चैया	०३३-५५०१००
कृषि विकास बैंक, मिर्चैया	०३३-५५०००५

## नगरवासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

१. नगरपालिकालाई बुझाउनु पर्ने सम्पत्ति कर, भूमि कर व्यवसाय कर समयमै बुझाऔं, २. जन्म, मृत्यु, विवाह, बसाइसराइ लगायतका व्यक्तिगत घटना सम्बन्धित घटना भएको मितिले ३५ दिनभित्रै आफ्नो वडा कार्यालयमा दर्ता गरौं, ३. नगरपालिकाभित्र व्यक्तिगत घर तथा उद्योगका भवन लगायतका संरचना निर्माण कार्य शुरु गर्नुअघि अनिवार्य रूपमा निर्माण इजाजत लिऔं, ४. भूकम्प प्रतिरोधात्मक घर निर्माण गरौं, ५. सडक अधिकार क्षेत्र, खोला, नाला, पैनीको साथै पाटी पौवा जस्ता सार्वजनिक स्थान मिचेर कुनै पनि संरचना निर्माण नगरौं । साथै सडक किनारामा व्यापार, व्यवसाय नगरौं, ६. अनुमति विना सडकमा निर्माण सामग्री लगायतका कुनै पनि व्यक्तिगत प्रयोजनका सामान नराखौं, ७. नगर क्षेत्रभित्र कुनै पनि व्यापार, व्यवसाय गर्दा नगरपालिकामा दर्ता गरेर मात्र गरौं, ८. बालबालिकाहरूलाई नजिकैको स्वास्थ्य संस्थामा लगी लगाउनु पर्ने सबै खोप तोकिएअनुसार नियमित लगाऔं र बालबालिकाहरूमा रोग प्रतिरोधात्मक क्षमता विकासमा सहयोग गरौं, ९. उमेर नपुगेका बालबालिकाहरूलाई श्रममा नलगाऔं, १०. विद्यालय जाने उमेर भएका सबै बालबालिकाहरूलाई अनिवार्य रूपमा विद्यालय पठाऔं, ११. छोरा र छोरीमा भेदभाव नगरौं, १२. महिला हिंसा न्यूनीकरणका लागि आ-आफ्नो ठाउँमा पहल गरौं, १३. जेष्ठ नागरिकको सम्मान गरौं, १४. आफ्नो घरबाट निस्किएको फोहरलाई जथाभावी नफालौं, १५. चौपायाहरूलाई छाडा नछोडौं, १६. होटल व्यवसायीहरूले बासी तथा सडेगलेका खानेकुरा नबेचौं । उभोत्ताको स्वास्थ्यमा ख्याल गरौं, १७. नगरपालिका भित्रका सिमसारहरूको संरक्षण र विकासमा सहयोग गरौं ।



कल्याणपुर नगरपालिका कार्यालय, सिरहा



गोलबजार नगरपालिका कार्यालय, सिरहा



धनगढीमाई नगरपालिका कार्यालय, सिरहा



सिरहा नगरपालिका कार्यालय, सिरहा

# देशभरका मालपोत र नापीमा प्रविधिमैत्री सेवा पुऱ्याउँछौं : मन्त्री अर्याल

भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारणमन्त्री पद्माकुमारी अर्यालले मालपोत कार्यालय वालिङलाई नमुना कार्यालय घोषणा गरेकी छन् । मन्त्रालयको देशभरका मालपोत र नापी कार्यालय प्रविधिमैत्री, सेवाग्राहीमैत्री बनाउने अभियानअन्तर्गत शुक्रबार मालपोत कार्यालय वालिङलाई नमुना घोषणा गरेकी हुन् ।

त्यस क्रममा मालपोत कार्यालयलाई नमुना घोषणा

गर्दै मन्त्री अर्यालले मालपोत र नापी कार्यालयबाट प्रदान गरिने सेवा प्रविधिमैत्री र सेवाग्राहीमैत्री बनाउँदै लगेको बताइन् । मालपोत र नापी कार्यालयको बिग्रीएको छवि बदल्न सफलता प्राप्त हुँदै गएको बताउँदै मन्त्री अर्यालले ती कार्यालयबाट प्रवाह हुने सेवाबाट पुष्टि हुँदै गएको बताइन् ।

सुशासन कायम गर्ने कुरा गाली गरेर मात्र प्राप्त नहुने भन्दै उनले त्यसका निम्ति नयाँ प्रविधिको प्रयोग, नयाँ सिस्टमको

विकास गरेर सुशासन कायम गर्न सकिने बताइन् । "सिस्टमबाट सुशासन कायम गर्ने, प्रविधिको प्रयोग गरेर सेवाग्राहीलाई खुसी बनाउने काम प्रमुख ठानेर हामी यो अभियानमा लागेका छौं," मन्त्री अर्यालले भनिन्, "हिजो २ र ३ दिन बसेर गर्नुपर्ने कामहरू अहिले एकैदिनमा गर्न सकिने गरी प्रवाह हुने सिस्टम विकास गरेर जनतालाई सुविधा दिएका छौं ।" नमुना भन्दा २२४ ठाउँमा गर्ने

भन्ने पनि हुनसक्ने भन्दै उनले यो सरकारको अभियान भएको भन्दै देशभरका ३३१ वटा मालपोत र नापी कार्यालयमा सेवाग्राहीमैत्री र प्रविधिमैत्री सेवा पुऱ्याइने बताइन् । तर, यसका निम्ति दक्ष जनशक्ति अभाव हुँदा अभियान प्रभावित भएको उनको भनाइ थियो । "हामीले जुन प्रविधिको प्रयोग गर्न खोज्यौं त्यसका निम्ति दक्ष जनशक्ति आवश्यकता पर्छ । त्यो कुरामा हामीलाई दक्ष जनशक्तिको कसरी विकास गर्ने भन्ने कुरामा चुनौती

छ," मन्त्री अर्यालले भनिन्, "हिजो एक ढंगले कर्मचारीहरूको नियुक्ति भएका छन् । हामी अर्को हिसाबले हिँड्न खोजेका छौं । नयाँ खालको प्रविधिलाई प्रयोग गरेर सेवा प्रवाह गर्न सक्ने दक्ष जनशक्तिको संख्या हामीसँग कम छ । यो कुरा चुनौतीपूर्ण त छ । तर विज्ञताको वृद्धि गर्दै कर्मचारीहरूलाई दक्ष बनाउँदै हामी अगाडि बढ्नुपर्छ ।"

यसैबीच मन्त्री अर्यालले बेरोजगारलाई स्वरोजगारमा

परिणत गर्न भूमि बैंकको अवधारणा ल्याइएको बताइन् । भूमि बैंकमापर्त भौंभगे खेतीयोग्य जमिनको प्रयोग गरी उत्पादकत्व वृद्धि गरिने मन्त्री अर्यालको भनाइ छ ।

कार्यक्रममा भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालयका सचिव टेकनारायण पाण्डेले यो अभियानलाई देशभर फैलाउन सरकार लागिरेहेको भन्दै यस अभियानमा साथ दिन आग्रह गरे ।

## सलहेसक...

गोट बेटीक बात सेहो सुनबामे अबैत अछि ।

सलहेसक प्रणयिनी कुसुमा जातिक मालिन नहि थिकीह प्रत्युत कर्मक मालिन थिकीह । किएक तँ ई एकटा फराक सम्प्रदाय थिक । एहि गाथामे एहि मालिनसभक वास योगिन गुफा थिक । जादू-टोनामे माहिर, रूप-राशिक अदभुत सौन्दर्य आ गुण अपरिमित । मानवीय करुणाक अजस्त्र धार हृदयमे नुकोने । ओ अपन प्रेमी सलहेसक लेल जी-जान अरोपने छलीह । मुदा, कुसुमाक प्रेम वासनात्मक नहि छल । जँ कि सलहेस परोपकारेक लेल अपन पाण संकटमे फँसबैत छलाह वा दुश्मनक कूचक्रक जालमे बन्धैत छलाह । ओ कएक खेप सलहेसकँ बचौलनि । एक खेप तँ एके रातिमे चूहडमल मो कमासँ पकडिया राजमहलधरि सेन्ह कोडि कऽ वस्तु-जात चोरा लेलकि आ सलहेसपर चोरीक आरोप लगाओल गेलनि आ बनिसार दऽ देल गेलाह । एहन विषम परिस्थितिमे कुसुमा आत्मबलसँ सलहेसक सहयोग दऽ नटिनक वेषमे नारीक कामत्रीडासँ लोभबैत चूहाडमलसँ सबटा बात

उगिलबा की लेलनि जे चोराओल वस्तु-जातक भण्डाफोर सेहो कऽ सलहेसकँ निरपराध साबित कएलनि । ओना मोकामा नगरसँ सटले गँगा सेतु बान्ह बनएबामे अपस्यँत दुश्मनक बाट सुलभ करबाक क्रममे चूहडमल मारल जाइत छथि आ ई गाथा समाप्त होइत अछि ।

एहिप्रकारेँ जीवनकेँ अर्थ आ संगीत देबामे व्यापक जीवन-दृष्टि एहि गाथामे सन्निहित अछि । चरित्रक विविधताकसँग स्वाभाविकतामे जीवनक व्यापकता अछि । मानवीय संवेदनाक व्याप्ति एहि गाथाक विभिन्न पात्र-पात्रीक जीवन-संस्कृतिसँ जुडैत अछि ।

ई गाथा कौतुहल आ चमत्कार अवश्य उत्पन्न करैत अछि, मुदा से चमत्कारी नहि अछि । तँ काल्पनिक वा अविश्वासनीय सेहो नहि कहल जा सकैत अछि । जँ कि यथार्थक गाढ रङ्गक प्रभाव अछि तँ संयोग आ दैवी घटनाक प्रभाव अछैतो यथार्थक द्वन्द्व सहजहिँ पात्र-पात्रीक चरित्रकेँ सहज भाव-भूमिपर ठाढ करैत अछि । अर्थ आ अनुभूतिपरक सौन्दर्य एहि गाथाक वैशिष्ट्य थिक । मानवतावादी मूल्यक समर्थनमे तदयुगीन समाजक रूढ

परम्परापर चोट करैत समस्त पीडाकेँ एहि गाथामे आकार दऽ कऽ सामन्ती व्यवस्थाक देवालकेँ ढाहल गेल अछि । कही तँ मध्यकालीन मिथिलाक सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आ भौगोलिक परिवेशक दस्तावेज थिक ई गाथा । किएक तऽ एहिमे जे प्रमाणीकता अछि तकर साक्ष्य रूप एखनो अछि । ज्ञान-विज्ञानक क्षेत्रमे मिथिला कतेक विकसित छल तकर स्पष्ट रूप एहिमे भलकैत अछि । तन्त्र-मन्त्र-यन्त्र एहि तीनूक समन्वित रूप एहि कालक महत्ताकेँ दर्शबैत अछि ।

एहि लोक-गाथामे सरलता, सहजता, स्वाभाविकता आ स्वच्छन्दताक सहज भण्डार अछि । जनमानसक प्रतिविम्बक सुच्चा दर्शन ई गाथा करबैत अछि । एहिमे जीवनक जे यथार्थ नुकाएल अछि से स्रोताक मोनमे पैसिकऽ सलहेस गाथाकेँ कालजयी बनबैत अछि । लोक-खनस्थान आ लोक-संस्कृतिक प्रति सहज आकर्षण एहि गाथाक वैशिष्ट्य थिक । जीवनक मूलभूत प्रश्नसँ टकराइत जीवन आ समाजगत ढाँचामे विकासगत परिवर्तनक स्वर अछि ।

गीतात्मककता आ कथात्मककताक समावेशक

कारण ई जनकाव्य जनप्रशस्ति अछि । ओना एखनो अपना-अपनी ढङ्गे एहि कथामे उपकथासब नव-नव प्रसङ्ग लऽ जोडल जाए लागल अछि । लोक-कण्ठमे विद्यमान जे मूलरूपमे अछि से आशु कवित्व-शक्तिक द्योतक थिक जाहिकारण सलहेस गाथाक अभिनव सौन्दर्य सब दिन बनले रहत । किएक तँ संजीवनी बटीक रसायनमे छनि कऽ लोककण्ठमे विद्यमान अछि । श्रमशील जनसमूह जे सङ्गठित भऽ समानान्तर सांस्कृतिक विकासक लेल आ मुख्यधाराबामे सम्मिलित भऽ अगुआक भूमिका निमाहलक से सलहेसकँ कहल जा सकैत अछि । ओ सामन्ती व्यवस्थाक चुनौतीकेँ स्वीकारलनि आ एकटा नव जनसंस्कृतिकेँ रचबामे अहम भूमिका निमाहलनि । कही जे नव जनक्रान्ति शंख फूकि कऽ नव समाजक निर्माणमे अपन मौलिक योगदान देलनि ।

सलहेस गाथा आइ लिखीतरूपमे आएल अछि मुदा पूर्णरूपमे आएब बाँकिए अछि । एक तँ क्षेत्र विशेषक आधारपर गाथाक किछु परिवर्तित रूप अवश्य सुनाए पडैत अछि । आवश्यकता अछि जे पहिने विभिन्न ठामक मौखिक गाथाकेँ सुनि कऽ आ लिखीत रूपमे

फराक-फराक वा तदनुकूलै एकठाम सङ्गठित संकलित कऽ भाषा, तथ्य ओ कथ्यकेँ वैज्ञानिक-पद्धतिअनुकूलै साहित्यिक साँचामे ढारि कऽ एकटा ठोस आ सुदृढ रूप देबाक अति जाहिसँ समाजक सभ वर्ग जे आइ अपन बुझैत अछि तकर अङ्ग बनल रहए । ई काज दुरुह अवश्य अछि, श्रम-साध्य सामर्थ्यबोध अर्जित करबाक माङ्ग अवश्य रखैत

अछि मुदा असम्भव नहि अछि ।

आवश्यकता अछि जे प्रामाणिक रूपमे सलहेस गाथाकेँ छनि कऽ एबाक, तखने सर्जनात्मकताक स्वादमे नव अनुभूति अपन फूट आनन्द प्रदान करत आ व्याख्यातित भऽ सामाजिक, अर्थिक, राजनैतिकजन्य भौगोलिक एवं ऐतिहासिक परिवेशक पूर्ण जानकारी प्राप्त हएत ।

**भौतिक दुरी कायम गरी कोरोना भाइरसको संक्रमणबाट आफू पनि बचाऔं र अरुलाई पनि बचाऔं ।**

**-: जनहितका लागि :-**



हरेक खबर, विशेष खबर  
नि.प्र.का.सि.द.नं. ११७/०९६/०७७  
राष्ट्रिय दैनिक

**लहानपोस्ट**  
LAHANPOST DAILY

## गाउँपालिकावासीका लागि जनहितमा जारी सार्वजनिक सन्देश !

- गाउँपालिकालाई बुझाउनु पर्ने घर, जग्गा, मालपोत दस्तुर, व्यवसाय कर आदि समयमा नै बुझाऔं ।
- घटना घटेको ३५ दिनभित्र व्यक्तिगत घटना दर्ता गरौं ।
- सार्वजनिक जग्गा र सम्पत्ति संरक्षणमा गाउँपालिकालाई सहयोग गरौं ।
- आफ्नो घर-आँगनबाट उत्पन्न फोहरलाई व्यवस्थित गरौं ।
- इजाजत पत्र लिएर मात्र व्यापार व्यवसायी गरौं तथा उपभोक्ता आचारसंहिता पालना गरौं ।
- बालबालिकालाई काममा हैन विद्यालय पठाऔं ।
- विकास निर्माण कार्यक्रममा जनसहभागिता जुटाऔं ।
- कृषिको व्यावसायीकरण गरौं । खाद्य सम्पन्न र आत्मनिर्भर गाउँपालिका निर्माणमा सहभागी बनौं ।
- किसानलाई सम्मान गरौं । जैविक विविधतामा आधारित पर्यावरणीय कृषि पेशा अवलम्बन गरौं ।

 बरियारपट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 अर्नमा गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
 नवराजपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 भगवानपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
 लक्ष्मीपुर पतारी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 औरही गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा
 सखुवानन्कारकट्टी गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा	 विष्णुपुर गाउँपालिका कार्यालय, सिरहा